EQUIFAX

sidbi

माइक्रोफ़ाइनेंस पल्स

विश्लेषी संपर्क /

Analytical Contacts

इक्विफ़ैक्स

किरण समुद्राला
वाइस प्रेसिडेंट - एनालिटिक्स
kiran.samudrala@equifax.com

श्रुति जोशी

एवीपी - एनालिटिक्स
shruti.joshi@equifax.com

वंदना पांचाल

सीनियर एक्स

एनालिटिक्स
vandana.panchal@equifax.com

सिडबी

चन्द्रशेखर थानवी - मुमप्र-

एमएसएमई संवर्द्धनपरक

पहल उद्भाग

erdav@sidbi.in

रंगदास प्रभावती
उमप्र - एमएसएमई संवर्द्धनपरक पहल उद्भाग
erdav@sidbi.in

रमेश कुमार सप्र –
एमएसएमई संवर्द्धनपरक पहल उद्भाग
rameshk@sidbi.in

विषयसूची

कार्यपालक सारांश 04

संक्षिप्ताक्षर एवं शब्दावली 05

माइक्रोफ़ाइनेंस उद्योग पर्यावलोकन 06

संवितरण के रुझान 09

उद्योग विशेष में जोखिम का स्वरूप 12

भौगोलिक एक्सपोजर 14

व्यापक राज्य रूपरेखा : मध्यप्रदेश 17

आकांक्षी जिले 22

माइक्रोफ़ाइनेंस उद्योग का वर्षानुवर्ष कार्यनिष्पादन 24

कार्यपालक सारांश / Executive Summary

एमएफआई पल्स रिपोर्ट का 11वां संस्करण सितंबर 2021 तक की अवधि के लिए प्रस्तुत किए गए आंकड़ों और इस अवधि के दौरान माइक्रोफाइनेंस उद्योग में विकास का एक चित्र प्रस्तुत करता है।

30 सितंबर 2021 को एमएफआई उद्योग का बुक साइज 2,26,123 करोड़ रुपये है। बैंक, एसएफबी और एनबीएफसी-एमएफआई बकाया पोर्टफोलियो में 90% से अधिक और संवितरित राशि का 95% का योगदान करते हैं। माइक्रोफाइनेंस उद्योग ने जून 2021 से सितंबर 2021 तक 2% की तिमाही दर तिमाही संवृद्धि दर्ज़ की है। एनबीएफसी-एमएफआई ने सितंबर 2020 से सितंबर 2021 तक 14% की उच्चतम वर्षानुवर्ष संवृद्धि और जून 2021 से सितंबर 2021 तक तिमाही दर तिमाही 10% की संवृद्धि का साक्षी रहा है। जून 2021 से सितंबर 2021 तक बैंकों के बकाया पोर्टफोलियो में 3% गिरावट आई है ।

संवितरित ऋणों की संख्या में जुलाई-सितंबर 20 से जुलाई-सितंबर 21 तक 94% की वृद्धि हुई और उसी अवधि के लिए संवितरण राशि में 96% की वृद्धि दर्ज़ हुई। सभी तिमाहियों में 30k-40k ऋण आकार श्रेणी के तहत सबसे अधिक ऋण संवितरित किए जाते हैं। जुलाई-सितंबर 20 से जुलाई-सितंबर 21 तक में औसत ऋण आकार में 1% की बढ़ोत्तरी हुई है।

जून 2021 से सितंबर 2021 में सभी अपचारिता समूह में गिरावट आई है। जून 2021 को छोड़कर सभी तिमाहियों में 60-89 दिनों की समायावधि के लिए देय तिथि के पश्चात बीते हुए में सबसे कम अपचारिता रही है।

29,335 करोड़ रुपये के बकाया संविभाग के साथ तमिलनाडु अग्रणी है और कुल बकाया संविभाग में 13% का योगदान देता है। 30 सितंबर 2021 तक तमिलनाडु, पश्चिम बंगाल, बिहार, कर्नाटक और उत्तर प्रदेश शीर्ष 5 राज्य हैं। शीर्ष 5 राज्यों में, केवल पश्चिम बंगाल का 90+ अपचारिता उद्योग की तुलना में अधिक है।

मध्य प्रदेश व्यापक राज्य रूपरेखा के रूप में शामिल है। 30 सितंबर 2021 को मध्य प्रदेश का बकाया संविभाग ₹13,920 करोड़ है। बकाया संविभाग में सबसे अधिक योगदान एनबीएफसी-एमएफआई का है जिसके बाद बैंकों का स्थान है। जुलाई-सितंबर 21 के दौरान मध्य प्रदेश में ₹4,340 करोड़ के ऋण संवितरित किए गए। एनबीएफसी और बैंकों का औसत ऋण आकार राज्य के औसत ऋण आकार की तुलना में अधिक है। मध्य प्रदेश का 90+ अपचारिता समग्र माइक्रोफाइनेंस उद्योग के अपचारिता स्तर से अधिक है।

इस संस्करण में हमने माइक्रोफ़ाइनेंस उद्योग की वर्ष-दर-वर्ष वृद्धि का आकलन किया है। मार्च 2020 से राष्ट्रव्यापी लॉकडाउन के कारण माइक्रोफाइनेंस उद्योग में मंदी देखी गई। अक्तूबर 2019 से सितंबर 2020 की अवधि में ऋण स्रोतीकरण में क्रमशः अक्तूबर 2018 से सितंबर 2019 तक मात्रा और मूल्य के मामले में 28% और 24% की कमी आई। हालांकि, माइक्रोफाइनेंस उद्योग फिर से विस्तार के स्वरूप में आ गया है और अक्तूबर 2020 से सितंबर 2021 की अवधि के दौरान मात्रा और मूल्य में क्रमशः 35% और 37% की वृद्धि दर्ज़ हुई।

संक्षिप्ताक्षर एवं शब्दावली

- एटीएस (औसत ऋण आकार) = संवितरित राशि / ऋणों की संख्या /
- डीपीडी = देय तिथि पश्चात बीते हुए दिन /
- वर्तमान बकाया संविभाग (पीओएस)या उधारकर्ता या सक्रिय ऋण = 0 to 179 डीपीडी + नए खाते+चालू खाते
- एमएफआई = माइक्रोफ़ाइनेंस संस्थान
- पीओएस = बकाया संविभाग
- यूटी = संघ शासित क्षेत्र
- आकांक्षी जिले (एडी) - नीति आयोग, भारत सरकार द्वारा जनवरी 2018 में मानव विकास सूचकांक को बढ़ाने के लिए सुधार के लिए पहचान किए गए जिले (वर्तमान में संख्या 117 है) **जो** स्वास्थ्य और पोषण, शिक्षा, कृषि और जल संसाधन, वित्तीय समावेशन, कौशल विकास और मूलभूत बुनियादी ढांचे **जैसे समग्र संकेतांकों पर आधारित है।**
- 1-179 = 1 to 179 डीपीडी / चालू पीओएस / 1-179 = 1 to 179 DPD/Live POS
- 1-29 = 1 to 29 डीपीडी / चालू पीओएस / 1-29 = 1 to 29 DPD/Live POS
- 30-59 = 30 to 59 डीपीडी / चालू पीओएस / 30-59 = 30 to 59 DPD/Live POS
- 60-89 = 60 to 89 डीपीडी / चालू पीओएस / 60-89 = 60 to 89 DPD/Live POS
- 90-179 = 90 to 179 डीपीडी / चालू पीओएस / 90-179 = 90 to 179 DPD/Live POS
- 30+अपचारिता = 30-179 डीपीडी / चालू पीओएस / 30+ Delinquency = 30-179 DPD/Live POS
- 90+ अपचारिता = 90-179 डीपीडी / चालू पीओएस / 90+ Delinquency = 90-179 DPD/Live POS

- जुलाई-सितंबर 20 = जुलाई 2020 से सितंबर 2020 / JAS'20 =July 2020 to September 2020
- अक्तूबर-दिसंबर 20 = अक्तूबर 2020 से दिसंबर 2020 /OND'20 = October 2020 to December 2020
- जनवरी-मार्च 21 = जनवरी 2021 से मार्च 2021 / JFM'21 =January 2021 to March 2021
- अप्रैल-जून 21 = अप्रैल 2020 से जून 2020 / AMJ'21 =April 2020 to June 2020
- जुलाई-सितंबर 21 = जुलाई 2021 से सितंबर 2021 / JAS'21 =July 2021 to September 2021

माइक्रोफ़ाइनेंस उद्योग पर्यावलोकन

माइक्रोफ़ाइनेंस उद्योग छायाचित्र यथा 30 सितंबर 2021

30 जून 2021 तक का	बैंक	SFBs	NBFC-MFIs	NBFCs	Not for profit MFIs	Total Industry
Unique Live Borrowers ('000)	24,779	12,280	23,348	6,538	785	67,730
ActiveLoans ('000)	36,981	15,411	36,059	7,161	1,030	96,642
Portfolio (`crore)	92,725	36,863	79,932	14,621	1,982	226,123
Disbursed Amount (`crore) JAS'21	27,439	12,037	23,838	2,866	501	66,681
Average Ticket Size (`) JAS'21	35,609	34,023	34,617	41,027	28,285	35,085
30+ Delinquency (POS)	12.96%	10.59%	7.51%	6.51%	2.60%	10.14%
90+ Delinquency (POS)	3.48%	3.02%	2.51%	2.04%	1.23%	2.95%

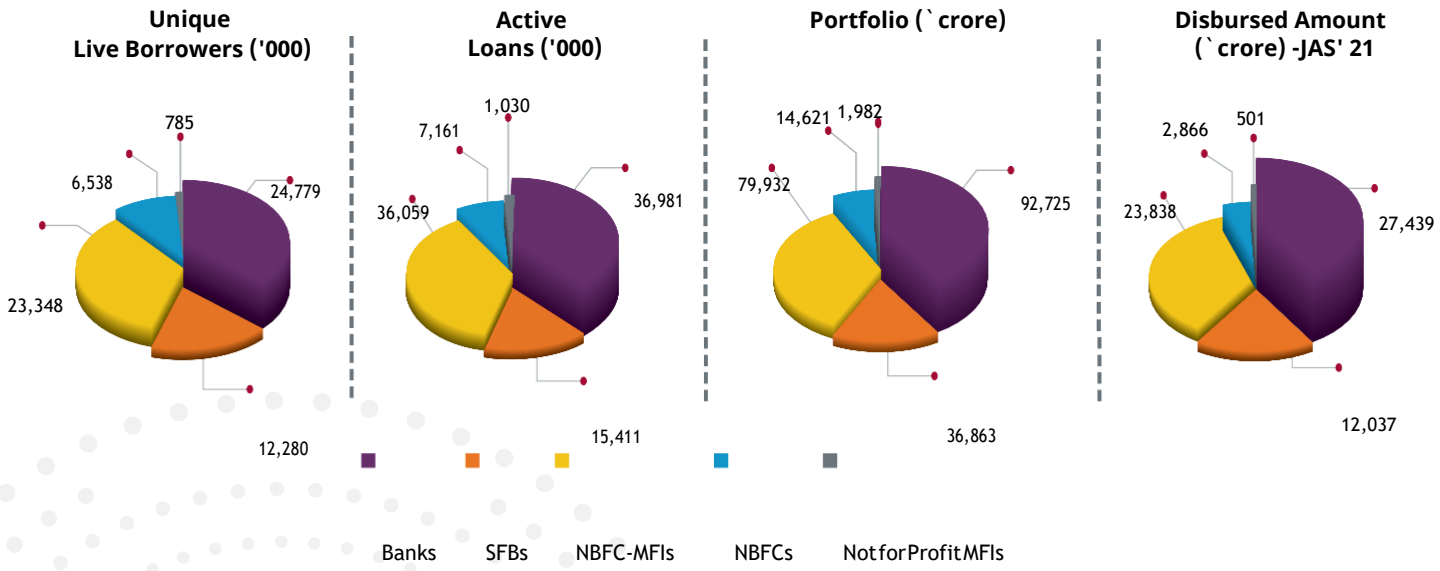

- 30 सितंबर 2021 को एमएफआई उद्योग का बुक साइज 2,26,123 करोड़ रुपये है।
- बैंक, एसएफबी और एनबीएफसी-एमएफआई जुलाई-सितंबर-21 तिमाही में बकाया पोर्टफोलियो के लिए 90% से अधिक और संवितरित राशि का 95% का योगदान किया है।
- बैंकों और एनबीएफसी का औसत ऋण आकार उद्योग के ऋण आकार से अधिक है।
- एनबीएफसी-एमएफआई, एनबीएफसी और लाभ के उद्देश्य से विहीन एमएफआई की 30+ और 90+ अपचरिता उद्योग की अपचरिता से कम है।

Note : In MFI segment there are ~6 crore unique live borrowers. Difference in the unique number of customers is due to the customers having multiple relationships with SFBs, Banks, NBFC-MFIs, NBFCs and Not for Profit MFIs

माइक्रोफ़ाइनेंस उद्योग पर्यावलोकन

बकाया संविभाग (`करोड़)

विवरण	सित' 20	दिसंबर20	मार्च 21	जून' 21	सित 21
बैंक	93,409	96,683	109,867	95,674	92,725
सूक्ष्म वित्त बैंक	42,682	38,109	38,903	35,345	36,863
एनबीएफसी -एमएफआई	70,142	73,166	79,420	72,856	79,932
एनबीएफसी	19,838	18,988	18,992	16,140	14,621
अलाभ वाली एमएफआई	1,772	1,872	2,095	2,045	1,982
कुल उद्योग	227,843	228,818	249,277	222,060	226,123
दरQतिमाहीदरतिमाही	-	0%	9%	-11%	2%

उधारदाता के अनुसार बाजार-हिस्सेदारी

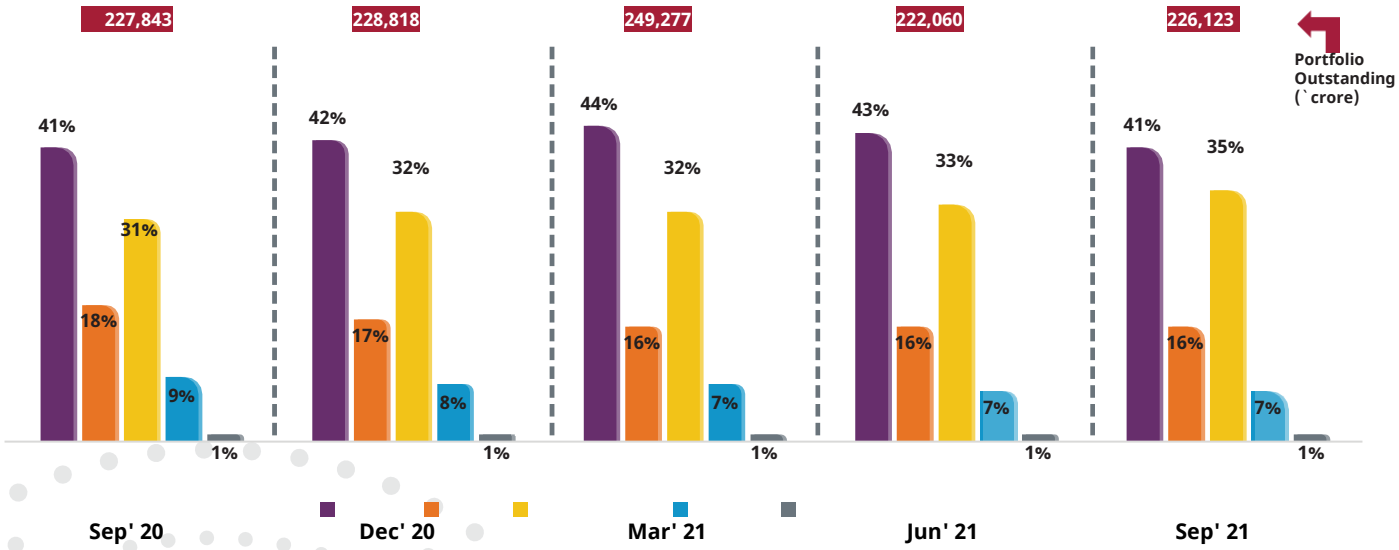

- माइक्रोफाइनेंस उद्योग ने जून 2021 से सितंबर 2021 तक 2% तिमाही दर तिमाही संवृद्धि का साक्षी रहा है
- एनबीएफसी-एमएफआई ने सितंबर 2020 से सितंबर 2021 तक 14% की उच्चतम वर्षानुवर्ष संवृद्धि देखी और जून 2021 से सितंबर 2021 तक तिमाही दर तिमाही का साक्षी रहा है।
- जून 2021 से सितंबर 2021 तक बैंकों के संविभाग का बकाया 3% घट गया है

EQUIFAX®

sidbi

संवितरण के रुझान

संवितरण के रुझान -संस्थावार

संवितरित ऋणों की सं. (लाख में)

उधारदाता	जेएएस' 20	ओएनडी' 20	जेएफएम' 21	एएमजे' 21	जेएएस'21
बैंक	46	101	111	42	77
एसएफबी	12	20	31	9	35
एनबीएफसी - एमएफआई	32	65	78	19	69
एनबीएफसी	6	8	13	3	7
गैर लाभ वाले एमएफआई	2	2	3	1	2
Total Industry	98	196	236	74	190

उधारदाता के अनुसार बाजार-हिस्सेदारी

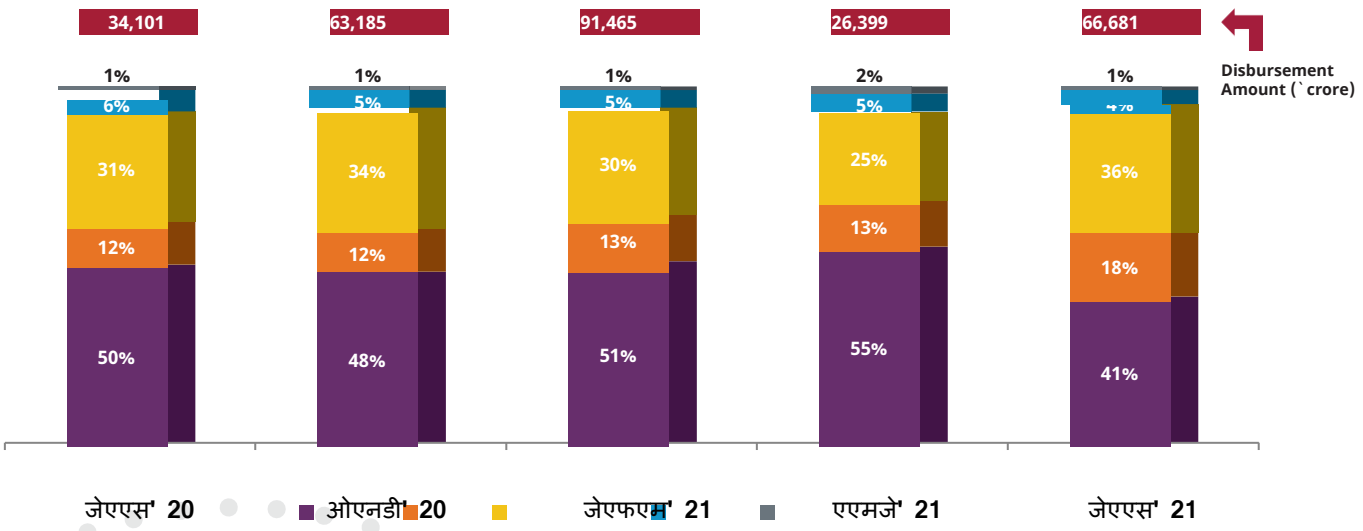

- जेएसएस'20 की तुलना में जेएएस'21 के दौरान संवितरित ऋणों की संख्या में 94% की और संवितरित की गई ऋणों की धनराशि में 96% की वृद्धि हुई।
- सभी तिमाहियों में बैंकों और एनबीएफसी-एमएफआई द्वारा सबसे अधिक ऋण संवितरित किए गए हैं।
- प्रमात्रा और निधियन के हिसाब से जेएएस 20 से जेएएस 21 तक एसएफबी ऋण संवितरण के मामले में उच्चतम संवृद्धि का साक्षी बना रहा।

उद्योग ऋण राशि

संवितरित ऋणों की सं. (लाख में)

ऋण-राशि	जेएएस JAS' 20	ओएनडी OND' 20	जेएफएमM' 21	AMJ' 21	JAS' 21	Y-o-Y Growth Rate
0-10 हजार	4	35	19	8	18	350%
10 - 20 हजार	16	20	19	8	20	25%
20 से 30 हजार	18	32	40	12	33	83%
30 से 40 हजार	24	44	60	17	47	96%
40 से 50 हजार	18	29	39	11	29	61%
50 से 60 हजार	10	18	27	9	24	140%
60 हजार से अधिक	8	18	32	9	19	138%
कुल	98	196	236	74	190	94%
ति. दर ति. ऋण संवितरण संवृद्धि दर %	-	100%	20%	-69%	157%	-
अ. भा. एटीएस (`)	34,724	32,174	38,792	35,781	35,085	-
Q-o-QATSgrowthrate%	-	-7%	21%	-8%	-2%	-

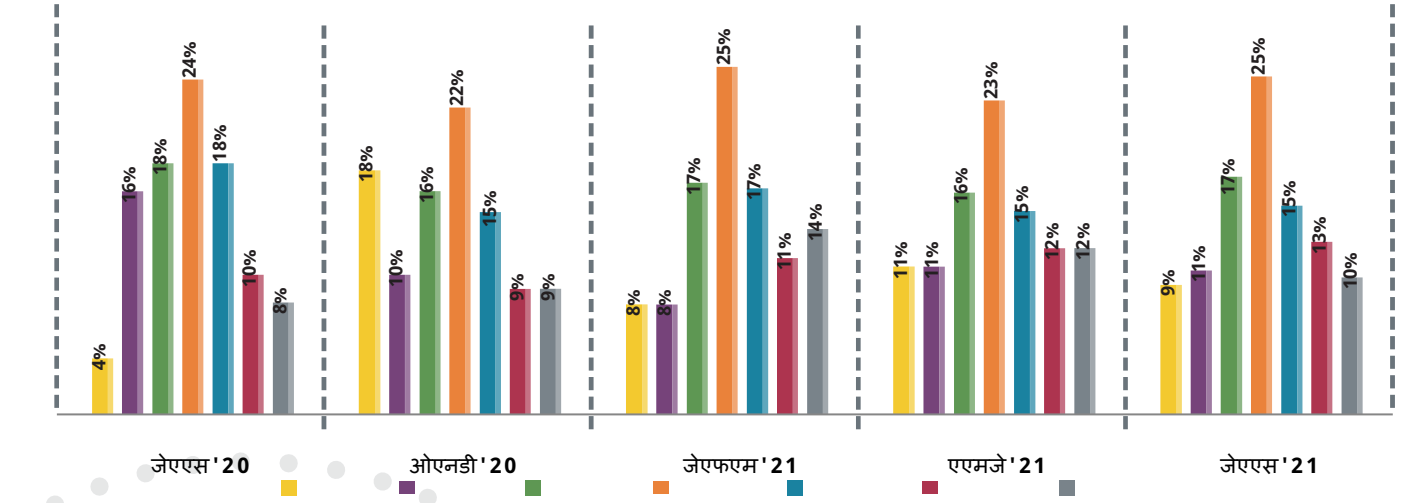

- सभी तिमाहियों में 30 से 40 हजार के ऋणों की श्रेणी के अंतर्गत सबसे अधिक ऋण प्रदान किए गए हैं।
- 40% ऋण 30 से 40 हजार के ऋणों की श्रेणी के अंतर्गत प्रदान किए जाते हैं।
- जेएएस'20 से जेएएस'21 तक औसत ऋण-राशि में 1% की संवृद्धि दर्ज हुई है।

EQUIFAX®

sidbi

उद्योग-विशेष में जोखिम का स्वरूप

अपचारिता की प्रवृत्तियां

रिपोर्टिंग	1-29 दिन past due	30-59 दिन ays past due	60-89 दिन days due	90-179 दिन past due	1-179 दिन past
सितं' 20	15.35%	3.47%	0.39%	0.63%	19.84%
दिसं' 20	7.50%	4.73%	3.49%	4.96%	20.68%
मार्च' 21	4.55%	2.90%	2.01%	4.12%	13.58%
जन' 21	14.90%	10.14%	3.38%	3.01%	31.43%
सितं' 21	8.64%	5.44%	1.74%	2.95%	18.77%

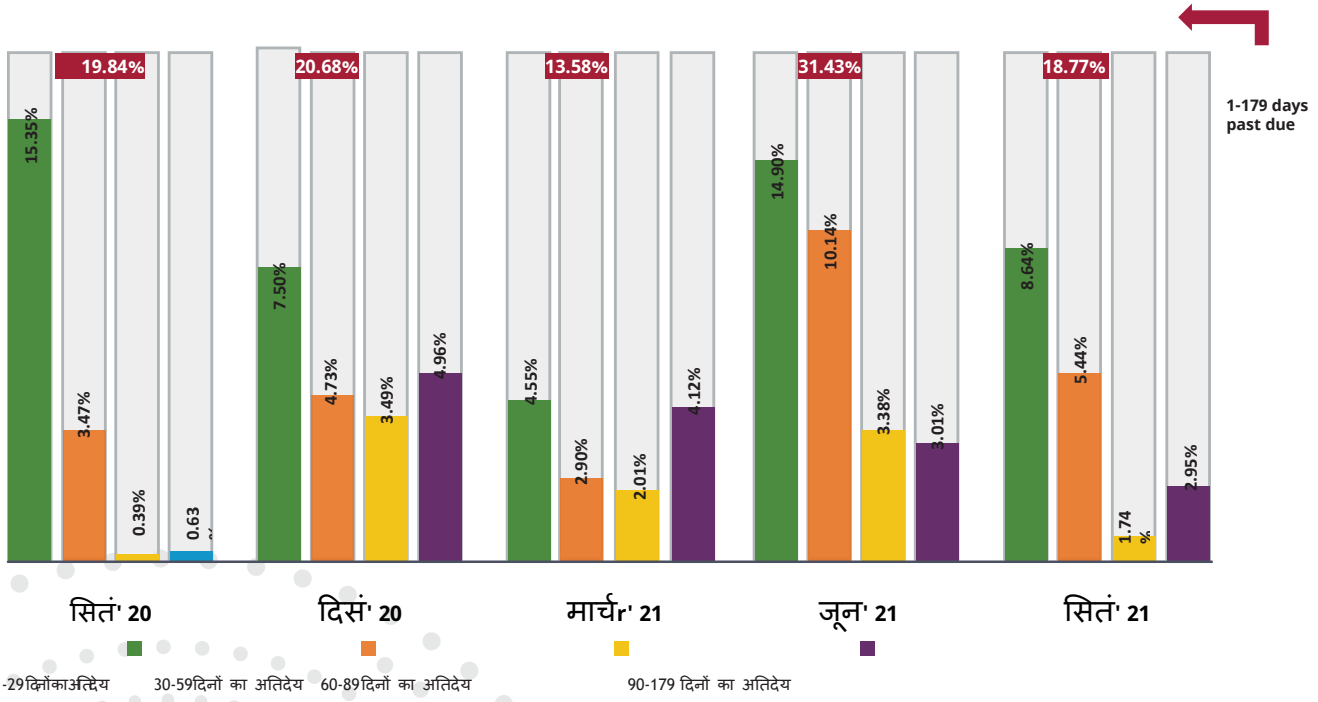

- सितंबर, 2021 से जून, 2021 के दौरान, वित्तीय अपचारिता के मामलों में कमी देखी गई।
- जून 2021 को छोड़कर सभी तिमाहियों में 60-89 दिनों के अतिदेय के संबंध में सबसे कम अपचारिता के मामले देखे गए हैं।

EQUIFAX®

sidbi

भौगोलिक एक्सपोजर

यथा 30 सितंबर, 2021 तक राज्य/ संघ राज्य क्षेत्र-वार संविभाग बकाया

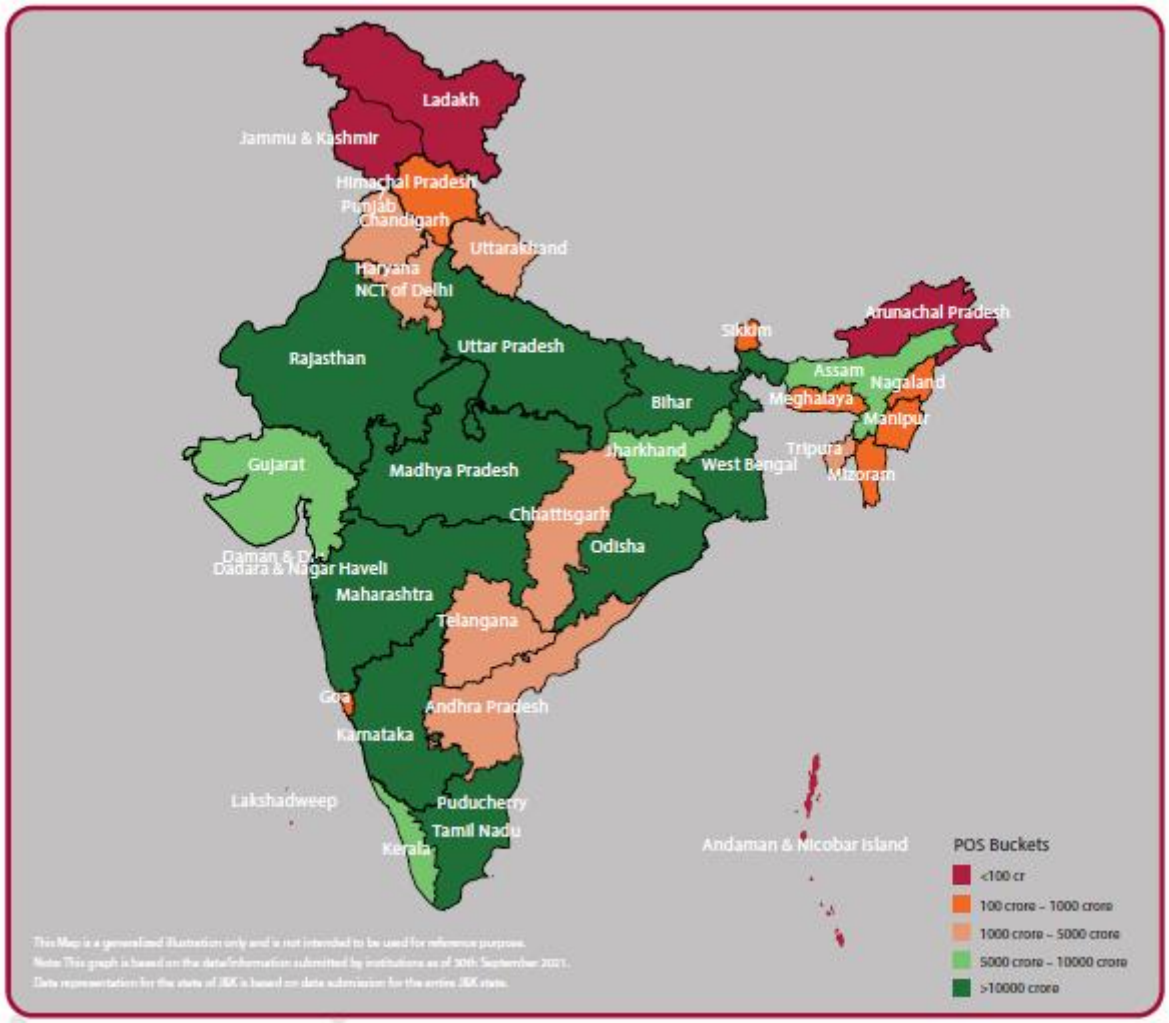

- शीर्ष 10 राज्य बकाया संविभाग में 82 प्रतिशत का योगदान करते हैं।
- तमिलनाडु ₹29,335 करोड़ के बकाया संविभाग के साथ अग्रणी है और कुल बकाया संविभाग में 13% का योगदान करता है।
- 30 सितंबर 2021 तक तमिलनाडु, पश्चिम बंगाल, बिहार, कर्नाटक और उत्तर प्रदेश 5 शीर्ष राज्य हैं

यथा 30 सितंबर, 2021 तक राज्य /संघ राज्य क्षेत्र-वार 90+ अपचार के मामले

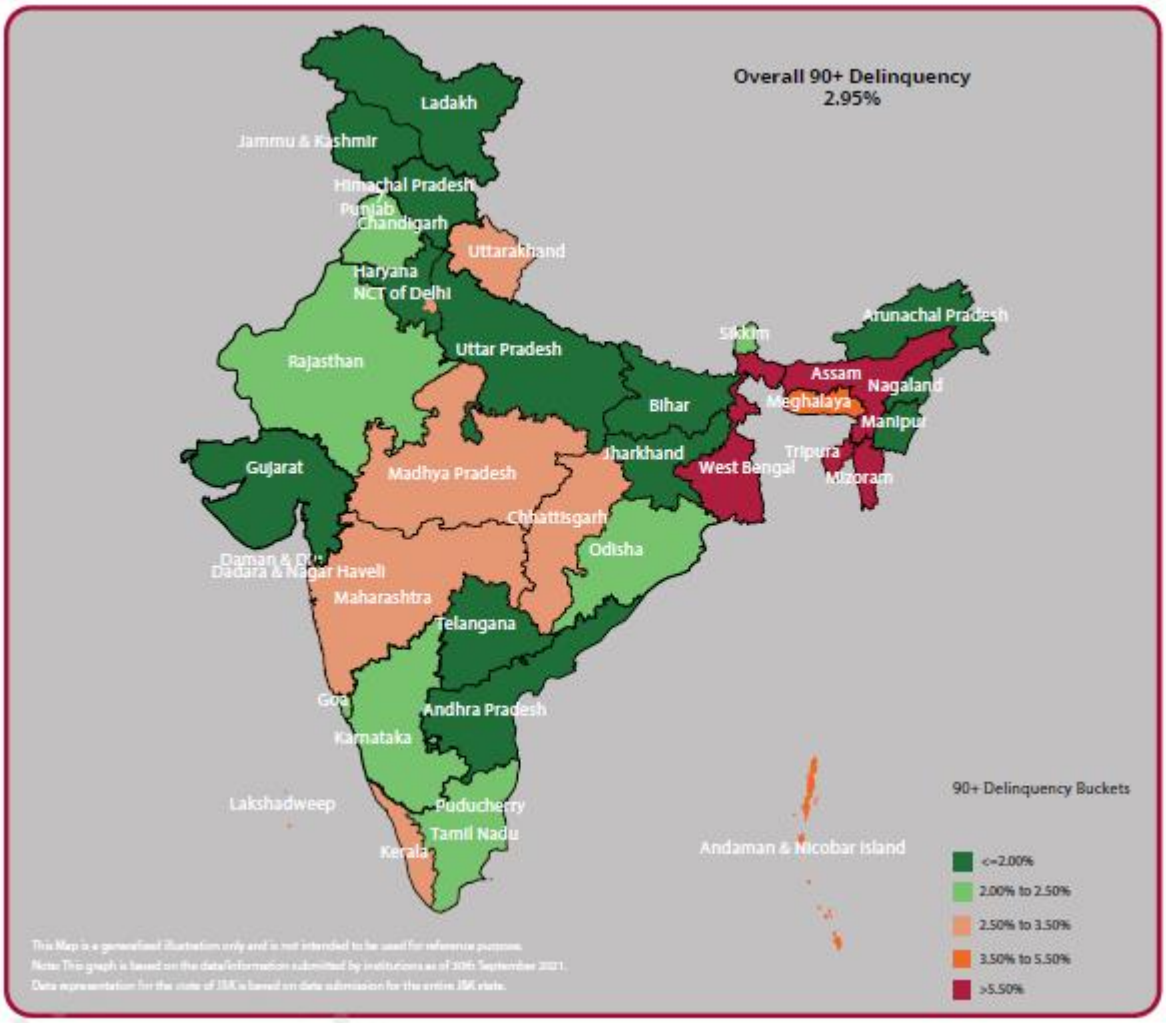

- पश्चिम बंगाल की 90+ अपचार के मामले उद्योग-विशेष की सापेक्षता में अधिक है।
- तमिलनाडु, बिहार, कर्नाटक और उत्तर प्रदेश में 90+ अपचार के मामले उद्योग-विशेष की तुलना में कम है।

EQUIFAX®

sidbi

व्यापक राज्य रूपरेखा : मध्यप्रदेश

मध्य प्रदेश - राज्य की स्थिति

मध्य प्रदेश - एक अवलोकन as on 30th September 2021	Banks	SFBs	NBFC -	NBFCs	Not for Profit MFIs	Industry
सक्रिय ऋण ('000)	1,858	919	2,800	408	51	6,036
Portfolio Outstanding (`crore)	4,277	2,236	6,552	766	89	13,920
बकाया संविभाग में बाजार की हिस्सेदारी	31%	16%	47%	6%	1%	-
संवितरित राशि (`करोड़)	1,434	845	1,920	114	27	4,340
औसत ऋण-राशि (`) - जेएएस'21	36,006	33,629	34,638	41,499	24,795	34,938
30+ अपचारिता (पीओएस)	12.34%	9.27%	8.38%	11.70%	2.15%	9.88%
90+ अपचारिता (पीओएस)	3.92%	3.56%	2.53%	4.44%	0.78%	3.22%

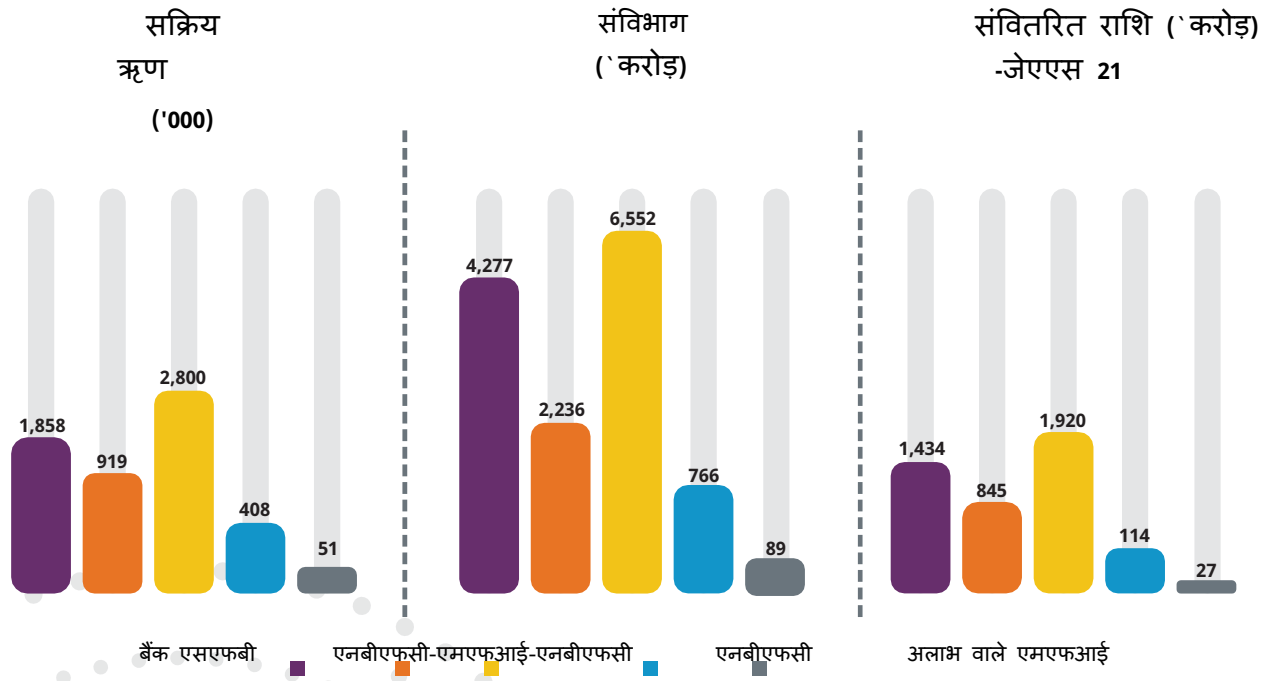

- यथा 30 सितंबर 2021 को मध्य प्रदेश का बकाया संविभाग ₹13,920 करोड़ रहा।
- बकाया संविभाग में सबसे अधिक योगदान एनबीएफसी-एमएफआई का है। इसके पश्चात् बैंकों का योगदान उल्लेखनीय है।
- जेएएस'21 के दौरान मध्य प्रदेश में ₹4,340 करोड़ के ऋण वितरित किए गए।
- एनबीएफसी और बैंकों की औसत ऋण-राशि राज्य की औसत ऋण-राशि की तुलना में अधिक है।
- मध्य प्रदेश की 90+ वित्तीय अपचार के मामले अल्पवित उद्योग के समग्र अपचार की सापेक्षता में अधिक है।
- गैर-लाभ हेतु परिचालनरत एमएफआई और एनबीएफसी-एमएफआई के 90+ वित्तीय अपचार के मामले मध्य प्रदेश में सभी उधारदाताओं में सबसे कम है।

मध्य प्रदेश - औद्योगिक ऋणों की प्रवृत्ति

संवृतरित ऋणों की सं. **(in '000)**

ऋणराशि	जेएएस 20	ओएनडी 20	जेएफएम 21	एमजे' 21	जेएएस' 21	वर्ष दर वर्ष संवृद्धि दर
0k-10k	22	124	106	39	99	350%
10k-20k	81	77	108	32	113	40%
20k-30k	125	192	245	52	234	87%
30k-40k	171	328	427	83	332	94%
40k-50k	122	196	270	51	193	58%
50k-60k	80	160	185	41	162	103%
60k Plus	51	113	171	33	107	110%
Total	652	1,190	1,512	331	1,240	90%
Q-o-Q loan disbursal growth rate %	-	83%	27%	-78%	275%	-
Madhya Pradesh ATS (`)	35,123	35,410	37,498	34,747	34,938	-
Q-o-Q ATS growth rate %	-	1%	6%	-7%	1%	-

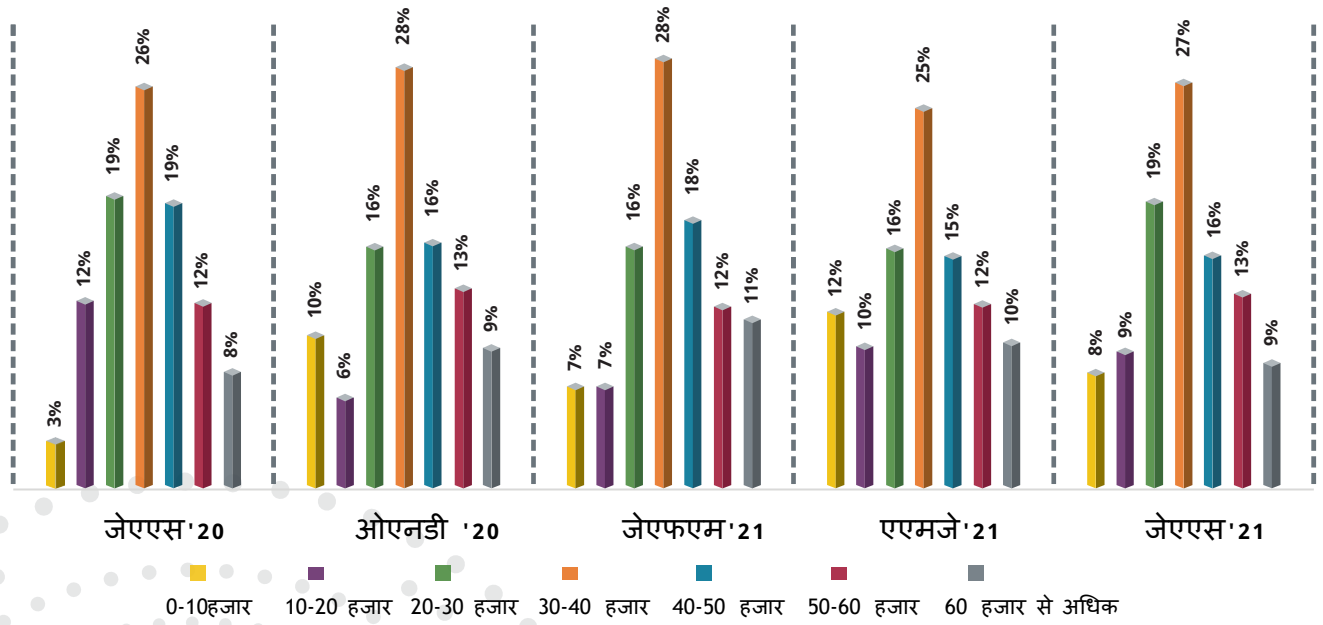

- मध्य प्रदेश ने जेएएस 20 से जेएएस 21 तक संवितरित ऋणों की संख्या के मामले में 90% वर्ष-दर-वर्ष संवृद्धि दर्ज की।
- 20-50 हजार के ऋणों की श्रेणी में 60% से अधिक ऋण संवितरित किए गए हैं।
- मध्य प्रदेश का एटीएस 1% बढ़कर एएमजे'21 से जेएएस'21 हो गया।

मध्य प्रदेश - संविभाग

ऋणदाता	सितंबर 20	दिसं 20	Mar' 21	Jun' 21	Sep' 21
बैंक	4,181	4,358	5,052	4,291	4,277
एसएफबी	2,193	2,115	2,226	2,012	2,236
एनबीएफसी-एमएफआई	5,381	5,853	6,552	5,920	6,552
एनबीएफसी	1,164	1,167	1,093	861	766
गैर लाभ वाले एमएफआई	66	74	83	84	89
मध्य प्रदेश	12,985	13,567	15,006	13,168	13,920
Q-o-Q Growth	-	4%	11%	-12%	6%

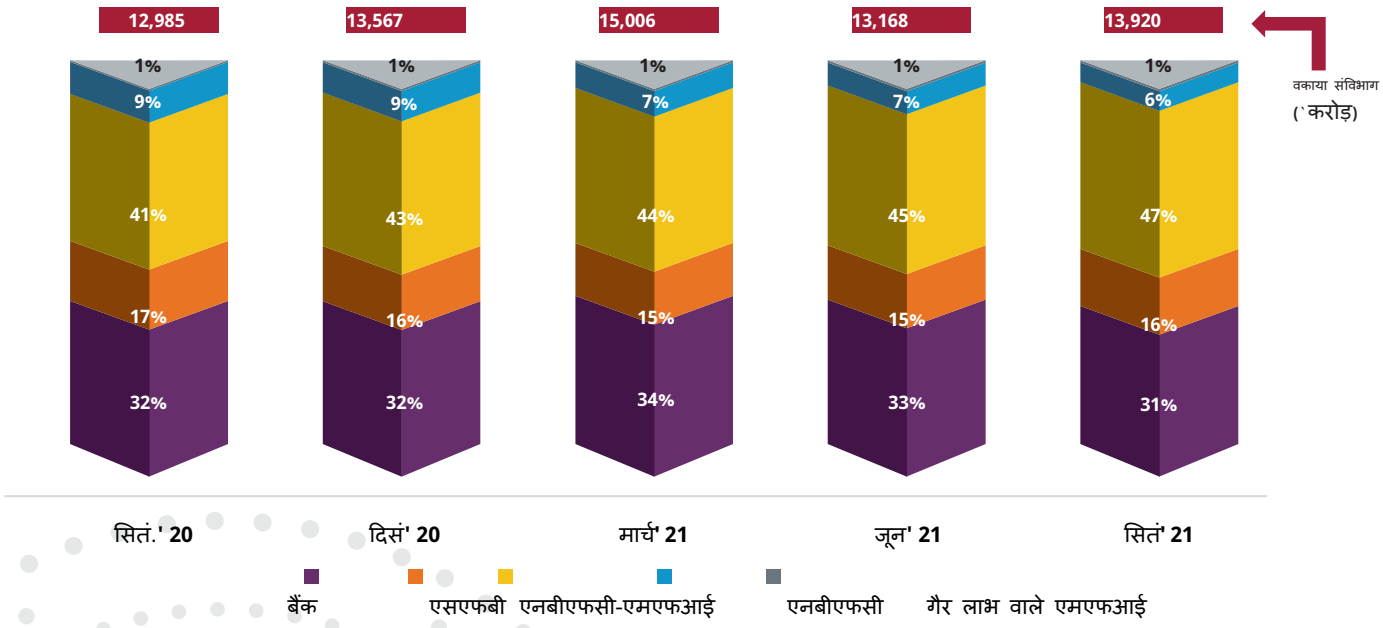

- मध्य प्रदेश ने सितंबर 2020 से सितंबर 2021 तक बकाया संविभाग के मामले में साल-दर-साल 7% की वृद्धि दर्ज की।
- सभी तिमाहियों में एनबीएफसी-एमएफआई और बैंकों द्वारा बकाया संविभाग 70% से अधिक का योगदान किया गया है।

मध्य प्रदेश : 90+ अपचारिता की प्रवृत्तियां

Lender Type	Sep' 20	Dec' 20	Mar' 21	Jun' 21	Sep' 21
Banks	0.42%	4.25%	3.10%	2.50%	3.92%
SFBs	0.20%	4.16%	3.26%	2.07%	3.56%
NBFC-MFIs	0.95%	5.67%	2.56%	3.51%	2.53%
NBFCs	0.92%	3.01%	7.24%	3.24%	4.44%
Not for Profit MFIs	1.04%	2.44%	1.68%	1.06%	0.78%
Madhya Pradesh	0.65%	4.73%	3.18%	2.93%	3.22%

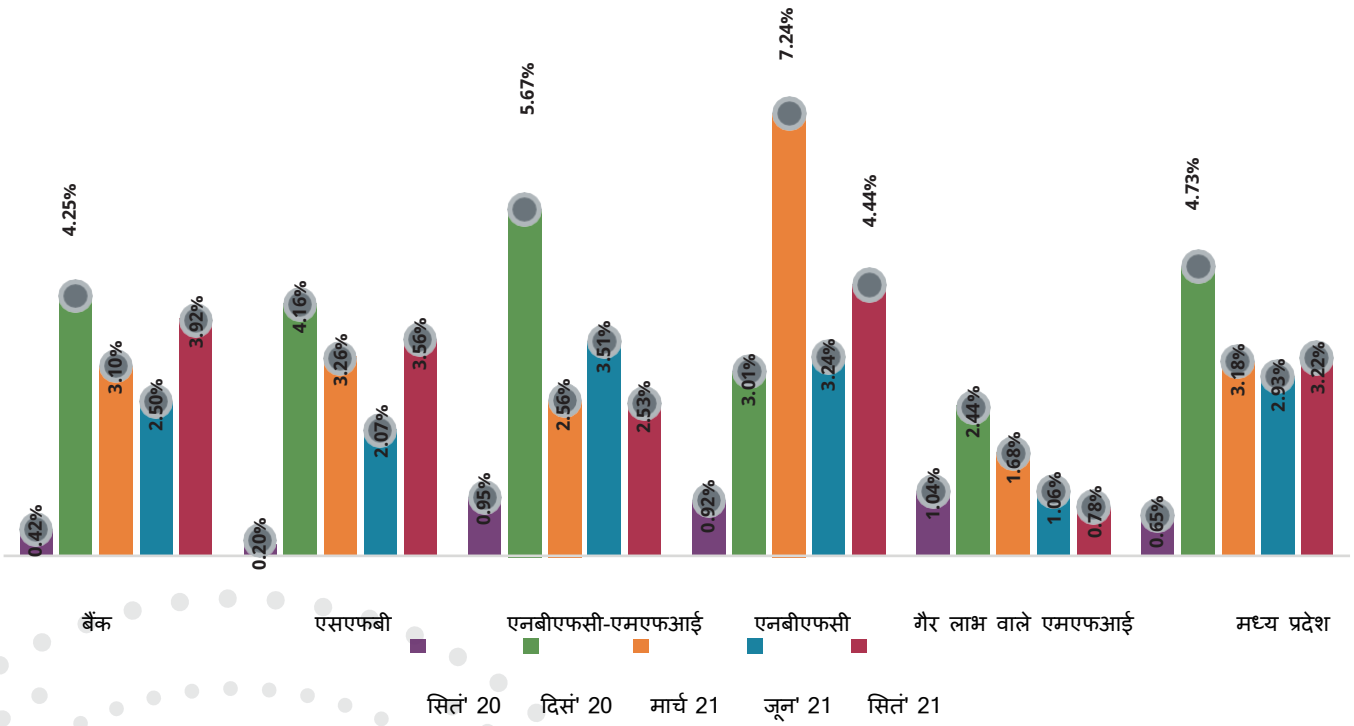

- मध्य प्रदेश की 90+ अपचार संबंधी मामले सितंबर 2021 में बढ़कर 3.22% हो गई, जो जून 2021 में 2.93% थी।
- अलाभवाले एमएफआई ने मार्च 2021 से सितंबर 2021 तक 90+ अपचार संबंधी मामलों में कमी की प्रवृत्ति देखी है।

Note : Delinquencies calculated basis POS

EQUIFAX

sidbi

आकांक्षी जिले

संविभाग Portfolio (`crore)

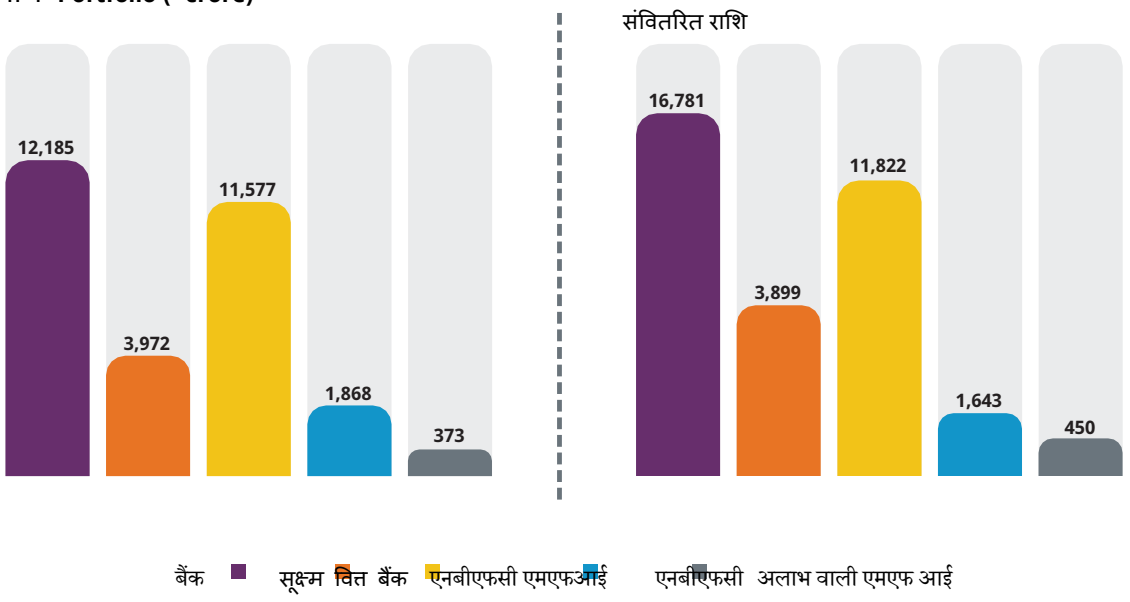

30+ and 90+ पीओएस अपचार उधारकर्ता श्रेणीवार POS Delinquency lender category wise

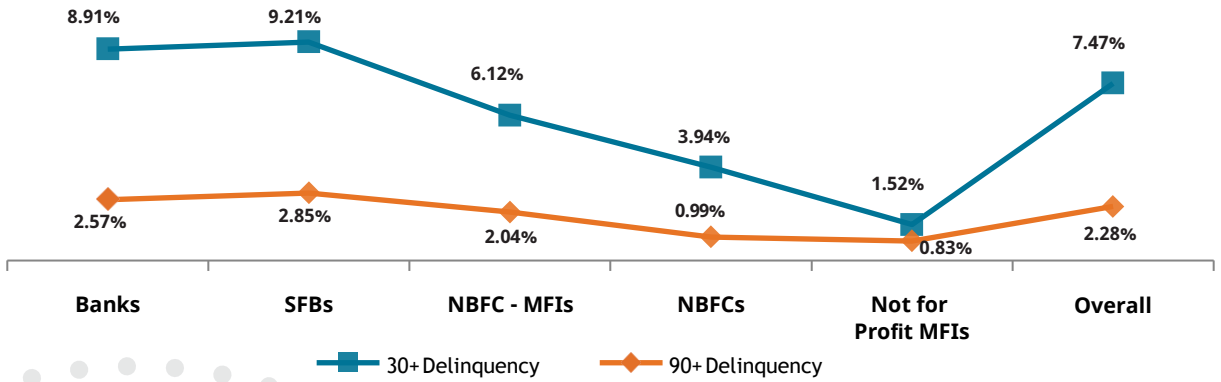

Aspirational Districts Growth Particulars	December 2017	September 2021	Growth %
सक्रिय ग्राहक संकेन्द्रण ('000)	4,155	8,440	103%
संवितरित राशि (`crore)	14,374 *	34,595**	141%
सक्रिय ऋण ('000)	6,925	13,203	91%
बकाया संविभाग Portfolio Outstanding (`crore)	11,175	29,975	168%
30+ अपचारिता	1.54%	7.47%	-

Note : *Disbursement January 2017 to December 2017
** Disbursement October 2020 to September 2021
Delinquencies are calculated basis POS

- यथा 30 सितंबर को आकांक्षी जिलों के लिए बकाया संविभाग 29,975 करोड़ रुपये है और दिसंबर 2017 से सितंबर 2021 तक इसमें 168% की वृद्धि हुई है।
- अक्तूबर 2020 से सितंबर 2021 के दौरान आकांक्षी जिलों में 34595 करोड़ रु. के ऋणों का संवितरण किया गया।
- बैंकों और स्माल फिनानस बैंकों की 30+ एवं 90+ अपचार आकांक्षी जिलों के समग्र 30+एवं 90+ अपचार से उच्चतर है

EQUIFAX®

sidbi

माइक्रो फ़ाइनेंस उद्योग का वर्षानुवर्ष कार्यनिष्पादन

संवितरण में वर्षानुवर्ष संवृद्धि

कोविड की वैश्विक महामारी और आवाजाही के प्रतिबंधों ने सूक्ष्म वित्त उद्योग पर प्रतिकूल प्रभाव डाला है। अल्पवित्त उद्योग पर कोविड-19 के प्रभाव का विश्लेषण करने के लिए पिछले 3 वर्षों में उधारदाता-वार और राज्यवार रुझानों का विश्लेषण संसाधन जुटाने, संविभाग बकाया और अपचार के दृष्टिगत किया गया था।

संवितरित ऋणों की संख्या (₹करोड़ में)

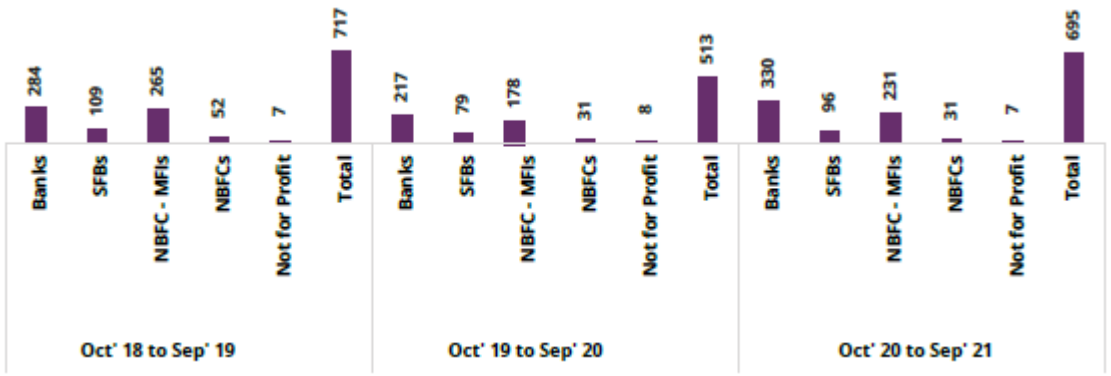

संवितरित राशि (₹करोड़ में)

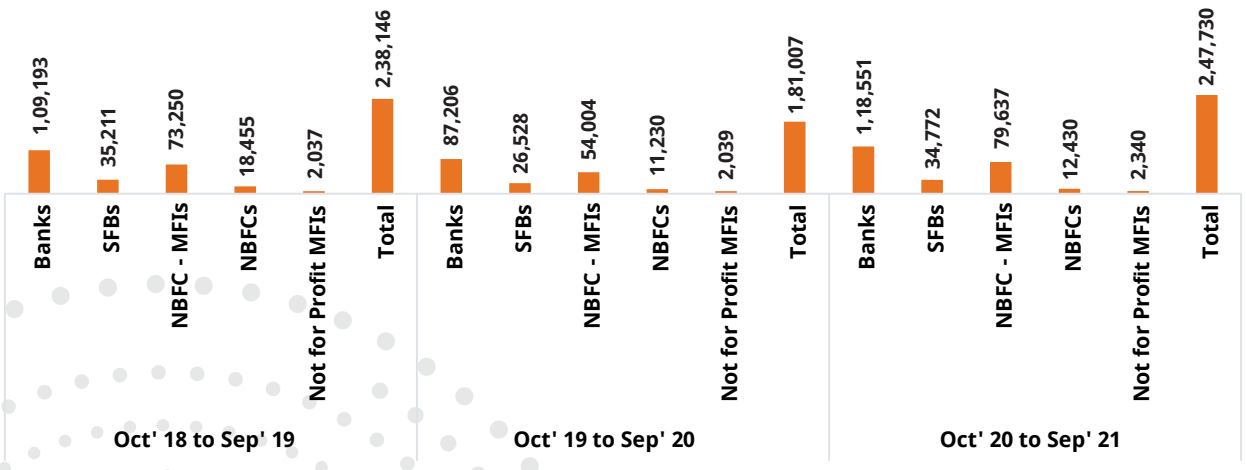

- मार्च 2020 से राष्ट्रव्यापी लॉकडाउन के कारण अल्पवित्त उद्योग में मंदी देखी गई। अक्टूबर 2018 से अक्टूबर 2019 और सितंबर 2019 से सितंबर 2020 तक ऋण के संसाधन जुटाने में क्रमशः मात्रा और मूल्य के मामले में 28% और 24% की कमी आई। तथापि, अल्पवित्त उद्योग पुन: विस्तार पर हैं और यह अक्टूबर 2020 से सितंबर 2021 तक मात्रा और मूल्य में क्रमशः 35% और 37% की वृद्धि हुई

- वैश्विक महामारी के दौरान सभी उधारदाताओं में से एनबीएफसी बुरी तरह से प्रभावित हुई थी और अक्टूबर 2018 से अक्टूबर 2019 और सितंबर 2019 से सितंबर 2020 में संवितरण मात्रा में 40% और संवितरण मूल्य में 39% तक कमी आई है।

वर्षानुवर्ष संविभाग बकाया वृद्धि एवं 90+अपचार गतिविधि

वर्षानुवर्ष संविभाग बकाया (करोड़ ₹में)

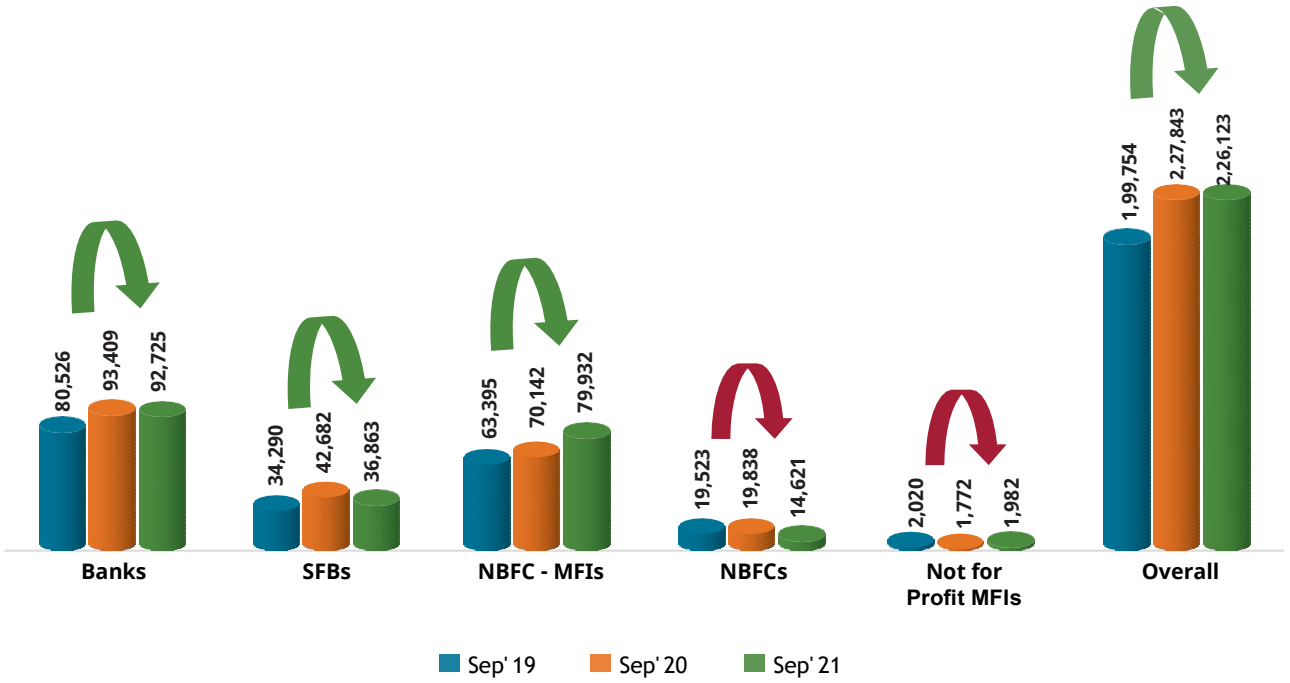

वर्षानु वर्ष 90+ अपचार Y-o-Y 90+ Delinquency

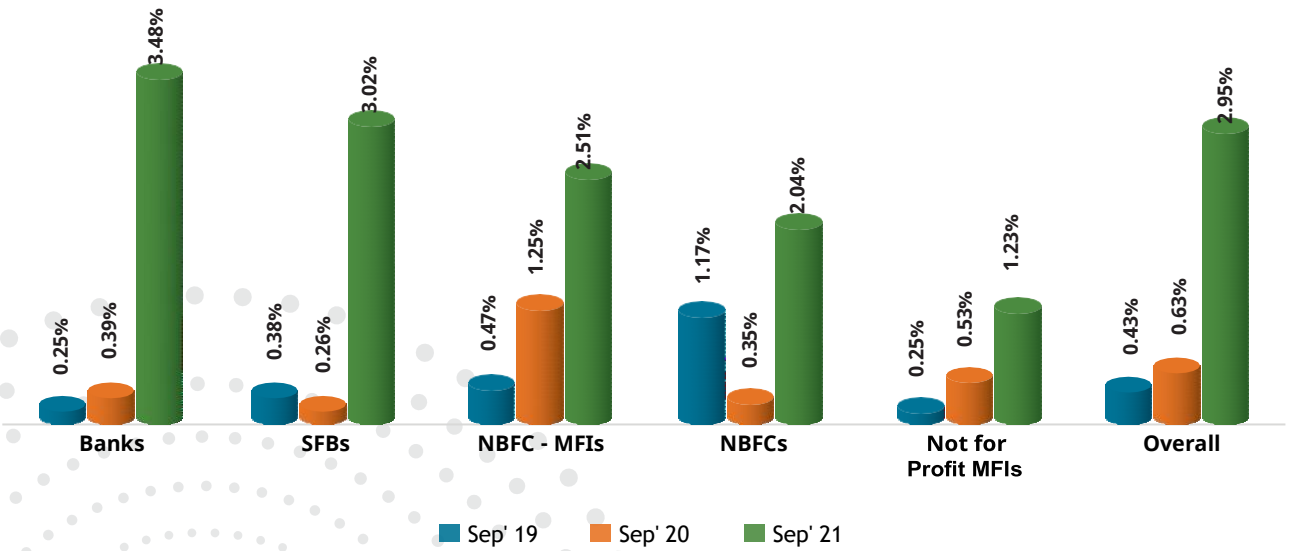

- एनबीएफसी और बिना लाभप्रदता वाली एमएफआई को छोड़कर, सभी ऋणदाता श्रेणियों ने सितंबर 2019 से सितंबर 2021 तक सकारात्मक वृद्धि देखी है।
- केवल एनबीएफसी-एमएफआई ने सितंबर 2020 और सितंबर 2021 में वर्ष-दर-वर्ष सकारात्मक वृद्धि देखी।
- सितंबर 2019 में बैंकों में सबसे कम 90+ अपचार थे जबकि सितंबर 2021 में यह सभी उधारदाताओं में सबसे अधिक है।
- सितंबर 2019 और सितंबर 2020 की तुलना में सितंबर 2021 में सभी उधारदाताओं की 90+ अपचार में वृद्धि हुई है।

वर्ष नु वर्ष शीर्ष 10 राज्यों की संविभाग वृद्धि

शीर्ष 10 राज्य	सित' 19 (POS `crore)	स्थिति 2019	सित ' 20 (POS `crore)	स्थिति 2020	सित ' 21 (POS `crore)	स्थिति 2021
तमिलनाडु Tamil Nadu	29,383	1	33,708	1	29,335	1
प. बंगाल West Bengal	28,661	2	33,560	2	27,932	2
बिहार Bihar	20,938	3	24,838	3	26,791	3
कर्नाटक Karnataka	17,244	4	17,982	4	19,566	4
महाराष्ट्रMaharashtra	13,742	5	16,717	5	16,276	6 ↓
असम Assam	12,508	6	11,805	9 ↓	7,007	10 ↓
उत्तर प्रदेश Uttar Pradesh	12,334	7	14,397	6 ↑	17,898	5 ↑
ओड़ीशा Odisha	11,213	8	12,557	8	13,882	8
मध्य प्रदेश Madhya Pradesh	11,213	9	12,985	7 ↑	13,920	7 ↑
केरल Kerala	8,042	10	9,271	10	9,302	9 ↑

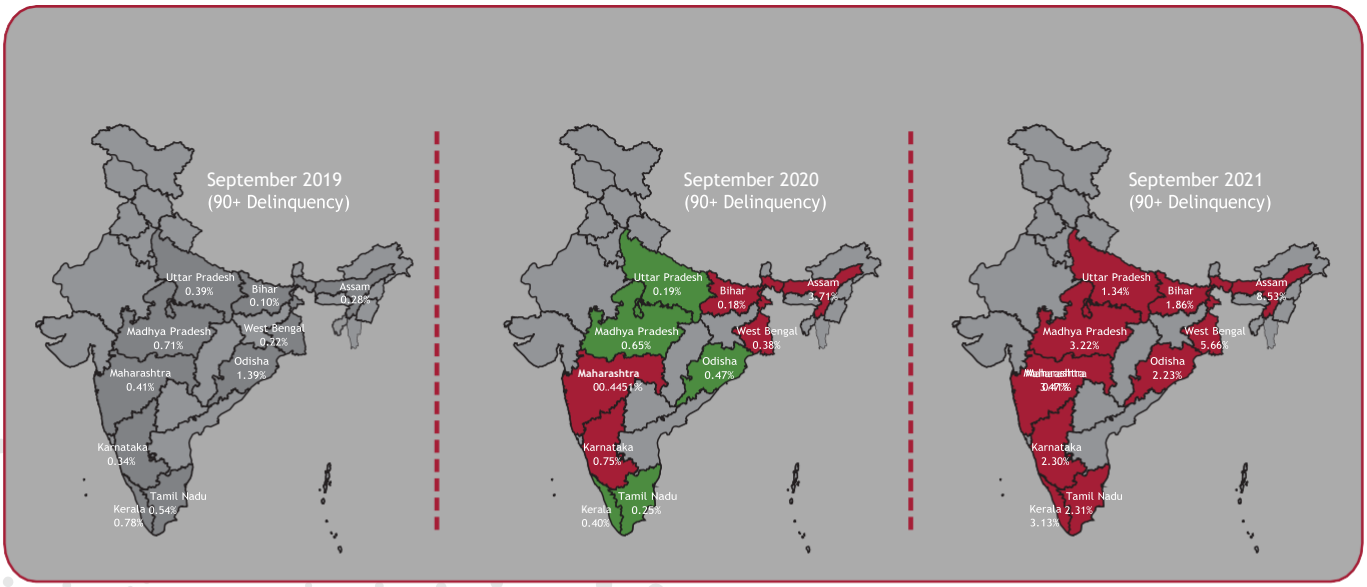

- तमिलनाडु, पश्चिम बंगाल, बिहार, कर्नाटक और ओडिशा पूर्व स्थान पर रहने में सफल रहे हैं।
- असम सितंबर 2019 में अपने 6वें स्थान से सितंबर 2020 में 9वें स्थान पर और सितंबर 2021 में 10वें स्थान पर आ गया है।
- मध्य प्रदेश सितंबर 2019 से सितंबर 2020 में 7वें स्थान पर पहुंच गया और अभी भी सितंबर 2021 में उसी स्थान पर है।
- सभी शीर्ष राज्यों के 90+ अपचार सितंबर 2019 से सितंबर 2021 तक बढ गए हैं।

Note : Top 10 States identified basis September 2019 POS
90+ delinquency for September 2020 and September 2021 is compared with September 2019.
If 90+ delinquency is higher than the September 2019 then the state is colored in Red otherwise Green.

सिडबी के बारे में

भारतीय लघु उद्योग विकास बैंक संसद के एक अधिनियम के तहत वर्ष 1990 में स्थापित किया गया है। सिडबी को सूक्ष्म, लघु और मध्यम उद्यमों (एमएसएमई क्षेत्र) के संवर्द्धन, वित्तपोषण और विकास के तीन कार्यों को क्रियान्वित करने के लिए प्रमुख वित्तीय संस्थान के रूप में कार्य करने और समान गतिविधियों में संलग्न विभिन्न संस्थानों के कार्यों का समन्वय करने के लिए प्राधिकृत किया गया है। इन वर्षों में, अपने विभिन्न वित्तीय और विकासात्मक उपायों के माध्यम से, बैंक ने समाज के विभिन्न स्तरों के लोगों के जीवन को निकट से प्रभावित किया है, पूरे एमएसएमई वर्णक्रम के उद्यमों को प्रभावित किया है और एमएसएमई पारितंत्र के कई विश्वसनीय संस्थाओं के साथ संलग्नता रखा है।

विज़न 2.0 के तहत, सिडबी ने एमएसएमई क्षेत्र की ज्ञानपरक विसंगतियों के समाधान, एमएसएमई इकाइयों और क्रिसीडेक्स के स्वास्थ्य अनुवीक्षण, एमएसई सेंटीमेंट्स और आकांक्षाओं को मापने, उद्योग की लोकप्रियता, उद्योग क्षेत्रों की और फिनटेक पल्स के एक व्यापक रिपोर्ट के लिए फिनटेक ऋणदात्री समूहों के ऋण आंकड़ों के बारे में अन्तर्दृष्टि के लिए माइक्रोफाइनेंस पल्स के अलावा एमएसएमई पल्स जैसे पहल करके विभिन्न अग्रणी नेतृत्व किए हैं।

अल्पवित्त क्षेत्र में सिडबी

सिडबी ने अल्पवित्त आंदोलन का समर्थन करके समावेशी वित्त के ध्येय को आगे बढ़ाने में अग्रणी भूमिका निभाई है। अल्पवित्त के तहत, बैंक ने यथा मार्च 2020 तक 100 से अधिक एमएफआई को संचयी रूप से `19,871 करोड़ के ऋण मंजूर किए हैं। बैंक, अल्पवित्त संस्थाओं को ऋण और ईक्विटी समर्थन के साथ इन संस्थाओं की क्षमता निर्माण के समर्थन और अनुपालन मूल्यांकन के साधन आदि के माध्यम से नैगम अभिशासन की संस्कृति को सुव्यस्थित रूप से सुग्राही बनाते हुए पूरक का कार्य कर रहा है। अल्पवित्त उद्योग के कमजोर शुरुआत से पूर्ण उद्योग समूह तक रूपान्तरण में हैंडहोल्डिंग के अलावा, हमारी 8 सहयोगी अल्पवित्त संस्थाएं स्माल वित्त बैंक / यूनिवर्सल बैंक में परिवर्तित हो गई हैं। अल्पवित्त ऋण प्रदायगी के तहत परंपरा से हटकर एक पहल यह है कि बाजार दरों से काफी कम ब्याज दरों पर छोटे ऋण सिडबी (साझेदारी व्यवस्था के माध्यम से) से सीधे उपलब्ध कराना है। बैंक द्वारा साझेदारी मॉडल के तहत प्रयास नामक इस पहल के तहत, बाजार दरों की तुलना में कम ब्याज दरों पर पिरामिड के सबसे निचले स्तर के सूक्ष्म उधारकर्ताओं को `0.50 लाख से` 5 लाख के छोटे टिकट के ऋणों का विस्तार किया गया है।

इक्विफैक्स के बारे में

इक्विफैक्स एक वैश्विक सूचना समाधान कंपनी है जो विश्वसनीय अद्वितीय आंकड़ें, नवोन्मेषी विश्लेषण, प्रौद्योगिकी और उद्योग विशिष्टता का प्रयोग करके ज्ञान को अंतर्दृष्टि में परिवर्तित करके विश्व भर के शक्तिशाली संगठनों और व्यक्तियों को व्यापारगत और व्यक्तिगत अधिक सुविज्ञ निर्णय लेने में मदद करता है।

इक्विफ़ैक्स के बारे में

इक्विफैक्स का मुख्यालय अटलांटा, जार्जिया में है और उत्तरी अमेरिका, मध्य और दक्षिण अमेरिका, यूरोप और एशिया प्रशांत क्षेत्र के 24 देशों में इसका निवेश है या/ और अपना परिचालन करता है। यह स्टैंडर्ड एंड पूअर्स (एस एंड पी) 500® इंडेक्स का सदस्य है और यह EFX चिह्न के तहत इसके सामान्य स्टॉक का कारोबार न्यूयॉर्क स्टॉक एक्सचेंज (एनवाईएसई) से करता है। दुनिया भर में इक्विफैक्स के 11,000 कर्मचारी हैं। ऋण उद्योग में 120 वर्षों से अधिक की वैश्विक विरासत के साथ, 2010 में, इक्विफैक्स ने भारतीय बाजार में उपस्थिति स्थापित की और भारतीय रिजर्व (आरबीआई) द्वारा इसे सीआईसी के रूप में संचालित करने के लिए लाइसेंस दिया गया था। पिछले 9 वर्षों में, क्रेडिट ब्यूरो के सदस्यों की सख्या बैंकों, एनबीफसी, एमएफआई और बीमाकर्ताओं सहित 4000+ सदस्यों तक बढ़ गई है। ये सदस्य लाखों भारतीय उपभोक्ताओं की जनसांख्यिकीय और पुनर्भुगतान संबंधी जानकारी प्रदान करते हैं। 2014 में, इक्विफेक्स ने एक एनालिटिक्स फर्म के अधिग्रहण के माध्यम से भारत में अपने पदछाप को पुन: बढ़ाया। भारत में इक्विफैक्स एनालिटिक्स प्रा. लिमिटेड इक्विफैक्स की पूरी तरह से स्वामित्व वाली एनालिटिक्स इकाई है, जो कारोबार के प्रदर्शन और उपभोक्ताओं के जीवन दोनों को समृद्ध करने वाले अद्वितीय अनुकूलित विश्लेषणात्मक समाधान प्रदान करती है।

अस्वीकरण

माइक्रोफाइनेंस पल्स (रिपोर्ट) इक्विफैक्स क्रेडिट इन्फॉर्मेशन सर्विसेज प्राइवेट लिमिटेड (इक्विफैक्स) द्वारा तैयार किया गया है। रिपोर्ट का उपयोग और उपयोग करके, उपयोगकर्ता स्वीकार करता है कि इस तरह का उपयोग इस अस्वीकरण के अधीन है। यह रिपोर्ट सितंबर 2020 तक इक्विफैक्स के सदस्य अल्पवित्त संस्थाओं द्वारा उपलब्ध कराई गई जानकारी के संकलन पर आधारित है। यद्यपि रिपोर्ट तैयार करने में इक्विफैक्स उचित ध्यान रखता है, परंतु अल्पवित्त संस्थाओं द्वारा प्रस्तुत गलत या अपर्याप्त जानकारी के कारण सटीकता, त्रुटियों और / या चूक के लिए वह जिम्मेदार नहीं होगा। इसके अलावा, इक्विफैक्स किसी विशिष्ट उद्देश्य के लिए रिपोर्ट और / या इसकी उपयुक्तता में सूचना की पर्याप्तता या पूर्णता की गारंटी नहीं देता है और न ही इक्विफैक्स रिपोर्ट के माध्यम से किसी भी प्रवेश या विश्वसनीयता के लिए उत्तरदायी है और इक्विफैक्स स्पष्ट रूप से सभी दायित्वों से इंकार करता है। यह रिपोर्ट किसी भी आवेदन, उत्पाद की अस्वीकृति / या स्वीकृति के लिए सिफारिश नहीं है और न ही इक्विफैक्स द्वारा (i) ऋण देने और नहीं देने के लिए कोई सिफारिश या (ii) संबंधित व्यक्ति के साथ किसी भी वित्तीय संव्यवहार शुरू करने या नहीं करने से संबन्धित है। रिपोर्ट में निहित जानकारी परामर्श नहीं करती है और उपयोगकर्ता को इस रिपोर्ट में निहित जानकारी के आधार पर कोई भी निर्णय लेने से पहले विवेकपूर्ण विचार कर सभी आवश्यक विश्लेषण करना चाहिए। रिपोर्ट का उपयोग ऋण सूचना कंपनियां (विनियमावली) अधिनियम 2005, ऋण सूचना कंपनी विनियमावली, 2006, ऋण सूचना कंपनियां नियम, 2006 के प्रावधानों के तहत संचालित है। रिपोर्ट का कोई भी हिस्सा बिना पूर्व अनुमोदन के प्रतिलिपिबद्ध, प्रकाशित या परिचालित नहीं किया जाना चाहिए।

संपर्क विवरण :

इक्विफैक्स क्रेडिट इन्फॉर्मेशन सर्विसेज प्राइवेट लिमिटेड,
इकाई संख्या 931, तीसरी मंजिल, बिल्डिंग नंबर 9,
सोलेटेयर कॉर्पोरेट पार्क, अंधेरी घाटकोपर लिंक रोड,
अंधेरी (पूर्व), मुंबई - 400093
टोल फ्री नं .: 1800 2093247
ecissupport@equifax.com

भारतीय लघु उद्योग विकास बैंक
स्वावलंबन भवन, प्लॉट सं. सी -11, 'जी' ब्लॉक,
बांद्रा कुर्ला कॉम्प्लेक्स, बांद्रा (पूर्व),
मुंबई - 400051 महाराष्ट्र
टोल फ्री नं .: 1800 226753 www.sidbi.in/en

Copyright © 2022, Equifax Inc., Atlanta, Georgia. All rights reserved. Equifax is a registered trademarks of Equifax Inc.